कुल प्रश्नों की संख्या : 17 | कुल पृष्ठों की संख्या : 04
Total No. of Questions: 17 | Total No. of Pages: 04

हायर सेकेण्डरी परीक्षा, दिसम्बर – 2017

324

विषय : आशुलिपि हिन्दी (सैद्धान्तिक)

Subject: SHORTHAND HINDI (PRINCIPLES)

समय : 03 घण्टे | पूर्णांक : 100
Time: 03 Hours | Maximum Marks: 100

निर्देश :– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के उत्तर सुवाच्य एवं सुस्पष्ट हों। जहाँ आवश्यक हो वहाँ आशुलिपि की आउटलाइन बनाएँ।

समय:1 घण्टा 30 मिनट | पूर्णांक : 30

प्र.1 क्या उर्ध्वगामी रेखाक्षरों में से कोई रेखाक्षर मोटी भी होती है? (1)

प्र.2 क्या वक्रगामी मोटी रेखाओं को पूर्णरूपेण मोटी बनाया जाता है? (1)

प्र.3 रेखाओं को मिलाते समय पहली रेखा किस स्थान पर लिखी जाती है? (1)

प्र.4 प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान के स्वरों का वर्गीकरण कीजिए। (1)

प्र.5 हिंदी भाषा में कुल कितने स्वर होते हैं? (1)

प्र.6 शब्द चिह्नों का प्रयोग किस प्रकार के शब्दों के लिए किया जाता है? (1)

प्र.7 आरंभ में स्वर आने के बाद क्या 'स' वृत्त का प्रयोग किया जाता है? (1)

प्र.8 क्या 'स्त' लूप का प्रयोग मध्य में भी किया जा सकता है? (1)

mpcareer.in

प्र.9 द्विध्वनिक स्वर कितने प्रकार के होते हैं? (1)

प्र.10 क्या वाक्यांश एक शब्द का होता है? (1)

प्र.11 अंतिम अंकुश न – ण के साथ स वृत्त बनाने की विधि क्या है? (2)

प्र.12 वाक्यांश में किस व्यंजन रेखा को आधा करने पर 'तक' शब्द का योग होता है? (2)

प्र.13 वाक्यांश में 'है' और 'हैं' का संकेत लिखने में क्या अंतर है? (2)

प्र.14 यदि सीधी रेखा के आरंभ में व–र हुक हो तो 'शन' हुक अंत में किस तरफ बनाया जाता है? (2)

प्र.15 द्विगुण का प्रयोग किन परिस्थितियों में नहीं किया जा सकता? (4)

प्र.16 'क' और 'ग' व्यंजन के प्रारंभिक हुक को बड़ा करने पर किस व्यंजन रेखा का योग होगा? उदाहरण सहित लिखिए। (4)

प्र.17 दिए गए शब्दों को आशुलिपि में लिखिए – (4)

(1) बुद्धिहीनता

(2) रचनात्मक

(3) आश्चर्यजनक

(4) समाजवाद

mpcareer.in

डिक्टेशनः 5 मिनट **पूर्णांकः 40**

अनुवाद एवं टंकण अवधिः 40 मिनट

अध्यक्ष महोदय, जो बिल हमारे सामने रखा गया है उसमें बहुत से सुधारों की आवश्यकता है। इसको और भी अच्छे तरीके से यहां रखा जा सकता था। मैं कुछ शब्द कहना चाहता हूँ और वह यह कि जब–जब आवश्यकता हुई उन्होंने ऐसी व्यवस्था को स्वीकार किया जिससे देश का कल्याण हो। अभी हाल ही में जो समझौता हुआ उसे मजदूरों की बहुत बड़ी कुरबानी समझनी चाहिए, जो उन्होंने की। उसे उन्होंने स्वीकार किया जो शायद साधारण स्थिति में वे स्वीकार नहीं करते लेकिन फिर भी देश को आवश्यकता हुई तो वे कभी पीछे नहीं रहे। मेरा ख्याल है कि आज जो वस्तु हमारे सामने आई, यदि विचार–विमर्श करते तो उससे अच्छे ढंग से कोई रास्ता सोच करके उनको खुश किया जा सकता था और अच्छा रास्ता निकल सकता था। महोदय, बहुत – सी बातें हुई लेकिन एक पहलू पर विचार नही किया गया जो मैं कहना चाहता हूँ। एक तरफ बात होती है कि लाभ हो तो बोनस मिलना चाहिए। बात सही भी है। लेकिन कल्पना कीजिए वैसी स्थिति की जहां आप यह कहते हैं कि आप कभी लाभ नहीं कमा सकते। मैं कोयला उद्योग की बात करना चाहता हूँ।

mpcareer.in

डिक्टेशनः 5 मिनट **पूर्णांकः 30**

अनुवाद एवं टंकण अवधिः 40 मिनट

भारत सरकार

स्वास्थ्य मंत्रालय

क्रमांक – एच – 1/2016–17/159 नई दिल्ली दि. 12/03/17

प्रति,

शासन के समस्त विभाग

समस्त सविच एवं

समस्त विभागाध्यक्ष

विषय – क्षयरोग के प्रति जागरूकता अभियान

भारत शासन के द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि देश से क्षय रोग की समूल समाप्ति के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया गया है ताकि क्षय रोग से लड़ने में देश के नागरिक जागरूक हो सकें।

एल. आर. वर्मा

मुख्य सचिव

भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली

———————————

mpcareer.in